It[1] is learnt that the victim, Anj ali, had gone to the hospital for a routine check-up. As she was delayed, she decided to spend the night on the lawns of the hospital.

Balbir Singh, who was on night duty at the hospital, allegedly forced her to a seculded corner and raped her.

"The incident came to light when Anjali narrated her experience to Shanti, an old woman sleeping nearby on the hospital lawns. According t_0 the police, Shanti took the victim to the casualty ward, where the doctors declared it to be a rape case.

The incident was later reported to the police, who, on the basis of Anjali's statement, suspended the constable and confined him to lock-up."

कहने का मतलब है कि रोज ये घटनाएं होती हैं । सरकार वार फुटिंग पर कोई योजना बना दे कि हिन्दुस्तान का हर टाउन, खास कर बड़े शहर कलकत्ता, बम्बई और दिल्ली क्राइम-प्रूफ या क्राइमरहित हो जायें । 6 महीने के अन्दर ऐसी योजना बनायें । रोज यह सवाल उठाने में हमें खुशी नहीं होती । मैं चाहूंगा कि सरकार वार-फुटिंग पर इन सब घटनाओं को रोकने का प्रबन्ध करने पर विचार करे ।

REFERENCE TO THE REPORTED STATEMENT OF THE CHIEF MTN-ISTER OF TRIPURA RELATING TO THE RECENT DISTURBANCE IN THE STATE

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, मैं एक बड़ गम्भीर विरोधाभास, जो वास्तव में अन्तर्विरोध है, की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । कल हमारे गृह मंत्री जी वापस आये हैं त्रिपुरा से । उन्होंने समाचार पत्रों में वक्तव्य दिया है कि वहां की स्थिति गंभीर है और उन्होंने यह भी कहा है कि वहां पर किसी विदेशी शक्ति का हाथ नहीं है । उस के साथ ही आज के समाचार पत्रों में त्रिपुरा के मुख्य मंत्री का वक्तव्य छपा है जिस में उन्होंने कहा है कि वहां की गड़बड़ में विदेशियों का हाथ है ।

It i_s fall-out of a well-planned conspiracy, missionary aided, secessionist movement

उन की, वहां के मुख्य मंत्री की । मेरा समझ में नहीं आता कि सच कौन कह रहा है । सच्चाई का प्रश्न तो खैर बाद में देख लेंगे, लेकिन मुख्य बात यह है कि इस से लगता है कि केन्द्रीय सरकार और त्रिपुरा सरकार का जो वहां की सेचुयेशन के बारे में आंकलन है उस में जमीन आसमान का अन्तर है । यदि वहां की प्रादेशिक सरकार और केन्द्रीय सरकार के बीच वहां की स्थिति के आंकलन में इतना अंतर है तो वहां की स्थिति को हल करने के लिये जो कदम उठाये जाये चाहियें उन में एकता तो हो ही नहीं सकती । इस अन्तर्विरोध की ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और दूसरे यह कि गृह मंत्री जी के वक्तव्य जितनी जिम्मेदारी के होने चाहिए वैसे नहीं आ रहे हैं । इस ओर भी मैं सदन और प्रधान मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI A. G. KULKARNI): The House stands adjourned till 11 A.M. on Monday, the 16th June, 1980.

The House then adjourned at twenty-six minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 16th June, 1980.